प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 21.03.2026 समय : 09:00 ए.एम.

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर कलेक्टरों को जल्द सर्वे कराने के निर्देश दिए–कहा– किसानों को समुचित सहायता देना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता।

- आयकर प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने आयकर नियम, 2026 अधिसूचित किये।

- ईद उल फितर का त्यौहार आज अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जा रहा है।

- अखण्ड सौभाग्य के प्रतीक गणगौर पर्व पर आज प्रदेशभर में उल्लास–जयपुर सहित कई शहरों में निकाली जायेगी गणगौर माता की पारम्परिक सवारी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के किसान, राजस्थान की समृद्धि का आधार है और इन्हें समुचित सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य में हुई बेमौसम बारिश से किसानों को हुए नुकसान के समुचित आकलन के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व के साथ अन्नदाताओं के संग खड़ी है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों से नुकसान का शीघ्र आकलन कर रिपोर्ट भेजने को कहा है। इस बीच प्रदेशभर में कई जगह बारिश से रबी की कटी फसलो को नुकसान पंहुचा है। खेतों में तैयार फसलों में भी खराबा देखा गया है। इस बीच कृषि विभाग ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित फसलों की कटाई के बाद भी खेत में रखी रबी फसलो को भी प्राकृतिक आपदा से नुकसान होने पर मुआवजा दिया जायेगा। विभाग ने बताया कि कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी रबी फसलें यदि बारिश अथवा प्राकृतिक आपदा से खराब होती हैं, तो किसानों को इसकी सूचना तीन दिन के भीतर बीमा कंपनी को देनी होगी। हमारे पाली संवाददाता ने विभाग के हवाले से बताया कि कृषि विभाग ने बीमा कंपनियों को फील्ड सर्वे के निर्देश दिए है।

सरकार ने आयकर नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। ये नियम, पहली अप्रैल से प्रभावी होंगे। नए नियमों का उद्देश्य अनुपालन को बढ़ाना और नियमों की संख्या कम करके कर प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि ये नियम, आयकर अधिनियम, 2025 के प्रावधानों को लागू करते हैं, पुरानी प्रक्रियात्मक प्रणालियों को प्रतिस्थापित करते हैं और अद्यतन परिभाषाओं, अनुपालन संरचनाओं और नए ढांचों को शामिल करते हैं। नए नियमों के तहत, कंपनियों को शेयर रजिस्टर रखने, आम बैठकें आयोजित करने और लाभांश का भुगतान केवल देश के भीतर ही करना होगा। इससे, लाभांश वितरण पर घरेलू नियंत्रण मजबूत होगा। स्टॉक एक्सचेंजों को अब सात वर्षों तक ऑडिट ट्रेल बनाए रखना, लेनदेन रिकॉर्ड को हटाने से रोकना और पारदर्शिता और डेटा में सुधार के लिए संशोधित लेनदेन पर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। आयकर नियम, 2026 का उद्देश्य कराधान प्रणाली में पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और मानकीकरण को बढ़ाना है।

सरकार ने आयात बढ़ाकर देश भर में उर्वरकों की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने सूचित किया है कि चालू वित्त वर्ष में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यूरिया का आयात 48 लाख टन से बढ़कर 89 लाख टन हो गया, जबकि डाई–अमोनियम फॉस्फेट का आयात 43 लाख टन से बढ़कर 60 लाख टन हो गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज गोवर्धन जी की परिक्रमा करेंगी। इस दौरान वे डीग जिले के पूंछरी का लौटा पहुंचेंगी और गोवर्धन परिक्रमा के राजस्थान से गुजरने वाले लगभग डेढ किलोमीटर के मार्ग को तय करेंगी। राष्ट्रपति की यात्रा को देखते हुए डीग में व्यापक इंतजाम किए गए है।

ईद–उल–फितर का त्योहार आज अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जा रहा है। यह त्योहार रमज़ान के महीने के समापन का प्रतीक है। ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर अमन चैन की दुआ मांगी जा रही है। ईद को लेकर मुस्लिम बाहुल्य ईलाकों में विशेष उल्लास दिखाई दे रहा है। जयपुर स्थित रामगंज, गलतागेट, दिल्ली रोड सहित अन्दरूनी इलाकों में बाजारों को सजाया गया है। लोग बीती रात ईद के ऐलान के साथ ही खरीदारी में जुटे रहे। सुबह से ही नमाज अदा करने को लेकर मुस्लिम समुदाय में उत्साह बना हुआ है। हमारी अजमेर संवाददाता ने बताया कि वहां ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह का जन्नती दरवाजा एक दिन के लिए खोला गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईद–उल–फित्र के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर देशवासियों से जरुरतमंदों की सहायता करने, समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने तथा राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईद–उल–फित्र के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और त्योहार के अवसर पर आपसी भाईचारे और दया की भावना मजबूत होने की कामना की।

अखण्ड सुहाग का प्रतीक गणगौर का पर्व आज धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेशभर में सुहागिनों में गणगौर पूजन को लेकर उत्साह बना हुआ है। सुबह से ही महिलाएं सज संवरकर और हाथों में मेहंदी रचा ईसर और गणगौर पूजन की तैयारियों में जुटी हुई है। जयपुर सहित कई शहरों में गणगौर माता की पारम्परिक सवारी निकाली जायेगी। कई जगह ढोल बाजों के साथ बिन्दोली भी निकाली जा रही है। पाली में महिलाएं ईसर गणगौर का स्वांग रच मंगल गीत गाती हुई दिखाई दे रही है। जोधपुर, बाडमेर सहित समूचे मारवाड में भी गणगौर पर्व को लेकर श्रद्धा और उल्लास दिखाई दे रहा है। करौली में पारम्परिक वेशभूषा में महिलाएं गणगौर की पूजा अर्चना कर रही है। जिले सुरोठ में रियासतकालीन परम्परा के अनुसार ईसर गणगौर की सवारी निकाली जायेगी। इस दौरान वहां मेला भी आयोजित किया जा रहा है। इधर राजधानी जयपुर में गणगौर की विश्व प्रसिद्ध सवारी देखने बडी संख्या में पर्यटक पंहुचे है। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित भव्य समारोह में इस बार कई नवाचार जोड़े गए हैं। सजी–धजी पालकियों, ऊंट, घोड़े और हाथियों के लवाजमे की संख्या में बढोतरी कर शोभायात्रा को और अधिक भव्य बनाया गया है। दो दिन के महोत्सव में राज्यभर के लोककलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को रोमांचित करेंगे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा प्रदेशवासियों को गणगौर पर्व की शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में उन्होंने इसे आस्था, प्रेम और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक बताया है।